टिप्पणी

321hi30A

30

भवन का रखरखाव

यदि आप अपने घर में चारों तरफ ओर देखेंगे तब आपको शायद फर्श पर धब्बे, दीवारों, या अन्य सतहों पर गंदगी, फटा हुआ वॉल पेपर, धूमिल सजावट सामग्री, मेज पर खरोंच इत्यादि देखने को मिलेंगी। क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे हम इन वस्तुओं की देखभाल नियमित रूप से कर सकें ? क्या सभी प्रकार की सतहों को पानी और डिटरजेंट से साफ किया जा सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इस पाठ में आप अलग अलग सतहों की सफाई और देखभाल के विषय में पढ़ेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप निम्न कर सकेंगे :

- घर की अलग–अलग सतहों की पहचान;
- दीवारों और फर्शो में प्रयुक्त भिन्न–भिन्न सतहों की सफाई और देखभाल;
- कांच, धातु और लकड़ी की सतहों की सफाई और देखभाल;
- घर में बिजली के उपकरणों और नल की सामान्य मरम्मत।

30.1 रखरखाव का उद्देश्य

आपने देखा होगा कि आपकी दीवारें, फर्श, काउन्टर, मेज आदि की बनावट अलग–अलग होती है। क्या आप सभी को एक ही प्रकार से साफ करते हैं ? नहीं, प्रत्येक सतह अलग होती है और उसे एक विशेष रखरखाव की आवश्यकता होती है। ये सतहें लकड़ी, चीनी मिट्टी, धातु, संगमरमर आदि जैसी कठोर हो सकती हैं। वे कुछ कम कठोर भी हो सकती हैं जैसे लिनोलियम, प्लास्टिक, कागज आदि। इसके बाद मुलायम सतहें आती हैं जैसे पर्दे, सोफे आदि के कपड़े, जूट, लिनन आदि। सुविधा के लिये हम इन सतहों के प्रयोग के अनुसार इनके विषय में पढ़ेंगे।

टिप्पणी

30.2 दीवारों और फर्शों की सफाई और देखभाल

दीवारें और फर्श अधिकांश सीमेंट और बजरी या मिट्टी के प्लास्टर से बनी होती हैं। दीवारें या तो रंगी पुती या वॉलपेपर, चीनी मिट्टी की टाइल, कपड़े या लकड़ी के पैनल से ढकी हुयी हो सकती हैं। फर्श भी संगमरमर, ग्रेनाइट, मोज़ेक चिप्स या लकड़ी से बने हो सकते हैं। फर्शों और दीवारों पर कुछ सामान्य रूप से प्रयोग की जाने वाली सतहों की देखभाल और सावधानियों के विषय में नीचे दी गयी तालिका में व्याख्या की गयी है ।

तालिका 30.1 दीवारों व फर्श की सफाई

सतह	रखरखाव	सावधानी
पेंट की हुई सतह	(i) नियमित रूप से इनकी धूल पोंछें और जाले हटाएं।	(i) दीवारों को कभी भी जोर से न रगड़ें और न ही अपघर्षक और ब्रश का प्रयोग करें।
	(ii) गरम पानी और डिटर्जेंट से ऊपर से नीचे की ओर स्पंज करें।	(ii) कभी भी तेज रसायनिक विलायकों का प्रयोग न करें।
	(iii) साफ ताजे पानी से धोएं।	
वॉलपेपर	(i) यदि फट गया हो तो तुरंत ही इसे चिपका दें।	(i) वॉलपेपर को कभी भी खुरचें नहीं।
	(i) दागधब्बों को स्पंज या मुलायम गीले कपड़े से रगड़ें।	
	(iii) यदि पेपर धुलाई करने योग्य हो तो इसे पोंछें, चिकनाई अवशोषकों जैसे टैल्कम पाउडर, मुल्तानी मिट्टी, चोकर आदि को चिकनाई के दाग धब्बे छुड़ाने के लिये प्रयोग करें।	
चीनी मिट्टी की टाइलें	(i) गर्म पानी और डिटर्जेंट की सहायता से नियमित रूप से साफ करें।	(i) अत्यधिक एसिड का प्रयोग न करें क्योंकि एसिड से वे ढीली होकर निकल सकती हैं।
	(ii) पक्के दाग धब्बों को पानी और रेगमाल से गर्म पानी और डिटर्जेंट से साफ करें।	(ii) एसिड को प्रयोग के तुरंत बाद ही साफ कर दें।
	(iii) टाइलों को साफ करने के लिये कुछ विशेष रसायन भी उपलब्ध हैं।	

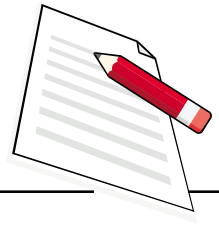

टिप्पणी

संगमरमर/ग्रेनाइट मोजेक/सीमेंट	(i) गर्म पानी से साफ करें।	(ii) कोने को प्रतिदिन साफ कर लें वरना वे काले पड़ सकते हैं।
	(ii) कभी कभी इन्हें मिट्टी के तेल और बुरादे से साफ कर लें।	
	(iii) संगमरमर को दाग धब्बे रहित और सफेद रखने के लिये नींबू रगड़ें।	

30.3 फर्श की देखभाल व रखरखाव

जैसे और फर्श साफ करने की विभिन्न विधियां हैं, उसी प्रकार फर्श पर प्रयुक्त विभिन्न सतहों की विशिष्ट देखभाल की जाती है। यह आवश्यक नहीं है कि फर्श पर सदा ही कुछ बिछा हो। वस्तुतः हमारे देश में अधिकांश लोगों का मानना है कि फर्श को साफ रखने का सरलतम तरीका है उसे बुहारना और पोंछना। पर अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फर्श को पूरा या आंशिक रूप से ढका जाता है, मुख्यतः सुविधा और सौंदर्य की दृष्टि से। इस खण्ड में आप जो ज्ञानार्जन करेगें उससे आप आसानी से फर्श के विभिन्न बिछावन को साफ रख पायेंगे।

तालिका 30.2 फर्श की देखभाल

सतह	रखरखाव	सावधानियां
कालीन	(i) कालीन की नियमित सफाई कीजिये।	(i) कालीनों को लपेट कर नैफ्थलीन की गोलियां डालिये।
	(ii) माह में एक बार इन्हें बाहर निकालिये। इनको उलट कर झाड़िये ताकि ढीली धूल निकल जाये।	(ii) कुछ अंतराल के बाद उन्हें हवा दिखाइये।
	(iii) कभी कभी वैक्यूम क्लीनर्स को भी प्रभावशाली रूप से प्रयोग किया जा सकता है।	(iii) रोल करने से पहले अच्छी तरह से सुखा लीजिये।
	(iv) पक्के रंगों के गंदे कालीनों को साबुन के पानी से धोइये। साबुन का ढेर सारा झाग कालीन पर ब्रश की सहायता से लगाइये और छोटी छोटी जगह में गोल गोल ब्रश घुमाइये। स्पंज की सहायता से अच्छी तरह धोइये और धूप में सुखाइये।	(iv) दाग धब्बे तुरंत ही हटा दीजिये।

टिप्पणी

विनाइल/लिनोलियम	(i)	गीले कपड़े से साफ करिये।	(i)	पानी में मत भिगोइये, पोंछने से पहले अतिरिक्त पानी को निचोड़ लीजिये।
	(ii)	दाग धब्बों को हल्के डिटर्जेंट से रगड़ें।	(ii)	कोनों को नियमित रूप से साफ करिये।
			(iii)	कठोर अपघर्षक या जूने का प्रयोग न करें।
			(iv)	कपड़े धोने का सोडा या क्षार का प्रयोग न करें क्योंकि ये कालीन पर चिपकते हैं।
कॉयर	(i)	इसे प्रतिदिन एक खुरदुरे ब्रश या झाड़ू से साफ करिये। कभी–कभी कालीन को बाहर भी निकालें। उल्टा करके इसे झाड़ लें ताकि धूल निकल जाये।	(i)	कालीन को अधिक गंदा न होने दें।
	(ii)	यदि कालीन काफी गंदा हो जाय, तो साबुन के पानी से धो लें। नमक के ठंडे पानी से धोकर खुली हवा में कालीन को सुखायें।	(ii)	अच्छी तरह से सुखाएं।
पायदान	(i)	उल्टा करके डंडे से पीटें (ताकि धूल झड़ जाय)।		
	(ii)	साबुन के पानी से धोइये, साफ करके धूप में अच्छी तरह से सुखाइये।		

क्रियाकलाप 30.1

अपने सीमेंट और संगमरमर के फर्श, पेंट किये हुये दरवाजे, कालीन, कॉयर के कालीन व बाथरूम टाइल्स को साफ करने के लिये दैनिक, साप्ताहिक और मासिक योजना बनाइये।

सतह	दैनिक	साप्ताहिक	मासिक
i. सीमेंट का फर्श			
ii. संगमरमर का फर्श			
iii. पेंट किया हुआ दरवाजा			
iv. कालीन			
v. कॉयर का कालीन			
vi. स्नानागार के टाइल्स			

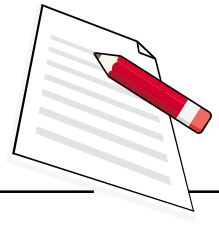

टिप्पणी

30.4 लकड़ी की सतहों की सफाई

लकड़ी का प्रयोग फर्नीचर बनाने में, रसोई में और फर्श बनाने में किया जाता है। यह कई तरीकों से परिसज्जित/फिनिश किया जाता है ताकि इसके रंध्र बंद किये जा सकें। दीमक से रक्षा करने के लिये भी इसको संसाधित किया जाता है। यदि ऐसा न किया जाय तब धूल, तेल और अन्य गिरे हुये पदार्थों के कारण इस पर स्थायी दाग पड़ जाते हैं।

तालिका 30.3 लकड़ी के सतह की सफाई

लकड़ी की सतह	रखरखाव	सावधानियों
सादी लकड़ी (सब्जी काटने का बोर्ड, पेस्ट्री बोर्ड, चकला, बेलन, इत्यादि	(i) हल्के साबुन और गर्म पानी से धोऐं और खुली हवा में सुखायें।	(i) लकड़ी के ग्रेन की दिशा में रगड़ें।
	(ii) बोर्ड पर चिपके हुये खाद्यान्न के टुकड़ों को चाकू के मोंथरे भाग से साफ करें।	(ii) कभी भी कठोर ब्रश का प्रयोग न करें।
		(iii) पानी में न भिगोयें। गर्म पानी का प्रयोग न करें, इससे लकड़ी फूल जायेगी।
		(iv) तेज सफाई की सामग्री प्रयोग न करें।
पॉलिश की हुई लकड़ी	(i) फलालैन के कपड़े से झाड़ें और पोंछें।	(i) लकड़ी पर कुछ भी न गिरायें।
	(ii) पानी के धब्बों को मिथाइलेटेड स्पिरिट से/ तारपीन के तेल या अमोनिया के हल्के घोल से रगड़ें।	(ii) गिरे हुये पदार्थ तुरंत ही पोंछ दिये जाने चाहिये।
पेंट की हुयी लकड़ी, (दरवाजे और खिड़कियाँ)	(i) हल्के साबुन और पानी से साफ करें। फलालैन के कपड़े से सुखा लें ताकि लकड़ी में चमक आ जाये।	(i) सुनिश्चित करें कि साबुन के सभी अंश सावधानीपूर्वक निकाल दिये गये हों अन्यथा दाग फिर भी सतह पर दिखाई देंगे।
	(ii) समय समय पर इसे अच्छी तरह सुरक्षित रखने के लिये दुबारा, पेंट कर लें।	

टिप्पणी

लैमिनेटेड सतह (सनमाइका)	(i) गीले कपड़े से पोंछ कर साफ करें।	(i) खरोंच न पड़ने दें और न ही खुरदरे अपघर्षक का प्रयोग करें।
	(ii) ताप के चिह्नों को हटाने के लिये धातु वाली पॉलिश रगड़ें और हल्के डिटर्जेंट से धोयें। वीनियर सतह को सुरक्षित रखने के लिये वैक्स पॉलिश या क्रीम का प्रयोग करें।	(ii) फर्श पर गिरे हुये पदार्थों को पोंछ दें।

30.5 धातु की सतह की देखभाल

बर्तन तथा उपकरण तांबे, पीतल, कांच, चांदी आदि के बने होते हैं। पीतल और तांबा आर्द्र जलवायु में एक नीले–हरे रंग का बदरंग धब्बा बनाते हैं। इनमें से प्रत्येक सतह को एक भिन्न प्रकार के रखरखाव की आवश्यकता पड़ेगी, जिसमें से कुछ की व्याख्या नीचे दी गयी है–

तालिका 30.4 धातू की सतह की सफाई

सतह	रखरखाव	सावधानियाँ
पीतल और तांबा	(i) साबुन और सफाई वाले पाउडर को हल्के घर्षण के साथ प्रयोग करें। नींबू का रस और नमक, सिरका या इमली का गूदा बारिक स्टील वूल के साथ रगड़ें। घर पर बर्तन साफ करने के लिये छनी हुयी राख का प्रयोग करें। (ii) नक्काशीदार पीतल को पुराने दांतों के ब्रश से साफ करें। (iii) ब्रासो या हाइड्रोक्लोरिक एसिड का प्रयोग बहुत गंदी वस्तुओं को साफ करने के लिये करें।	(i) कभी भी ब्रासो या अन्य रसायनों का प्रयोग खाने के बर्तन साफ करने के लिये न करें क्योंकि ये पदार्थ जहरीले होते हैं।
चांदी और चांदी की परत वाले टी–सेट, ट्रे, आदि	(i) प्रयोग करने के तुरंत बाद गर्म साबुन के पानी से साफ करें। (ii) इनमें से प्रत्येक को बदरंग धब्बों से बचाने के लिये टिश्यू पेपर से ढक कर रखें। (iii) एक मुलायम कपड़े से लम्बाई में रगड़ें। (iv) चाय के धब्बों को छुड़ाने के लिये दो	(i) चांदी के बर्तनों को साफ करने के लिये कभी भी अपघर्षकों का प्रयोग न करें क्योंकि चांदी पर खरोंच आसानी से पड़ जाती है। (ii) चांदी की सफाई के लिये हल्के अपधर्षक का प्रयोग ही करें।

टिप्पणी

	बड़े चम्मच सोडा और उबलते हुए गर्म पानी का प्रयोग करें। सजावटी सामान के लिये सिलवो पॉलिश (जो बाज़ार में उपलब्ध है) का प्रयोग करें।	
स्टील	(i) ठंडे या गर्म पानी और डिटर्जेंट से साफ करें। (ii) जिद्दी दाग धब्बेदार बर्तनों के लिए हल्के अपधर्षक का प्रयोग करें। (iii) स्टील के जले हुये बर्तनों को धोने के लिए इन्हें नमक के पानी में भिगोयें और हल्के अपधर्षक से साफ करें।	(i) कठोर अपधर्षकों का प्रयोग न करें क्योंकि स्टील पर खरोंचें आसानी से पड़ जाती हैं।
लोहा	(i) प्रयोग के तुरंत बाद साफ कर लें। (ii) इसकी सतह पर तेल की परत लगा लें। (iii) धब्बों को छुड़ाने के लिए ईंट का चूरा, चोकर, बुरादे आदि का प्रयोग करें।	(i) पूरी तरह सुखा लें क्योंकि हल्की सी नमी से भी लोहे पर जंग लग जाती है।
नॉन स्टिक टॅफलॉन की परत वाले तवे, स्नैक टोस्टर/सॉस पैन आदि	(i) प्रयोग से पहले तेल की परत लगा लें। (ii) प्रयोग के तुरंत बाद धो लें। (iii) स्पंज और साबुन के पानी से साफ करें और पोंछ कर सुखायें।	(i) स्टील वूल या कठोर जूने का प्रयोग न करें।

3.6 काँच, बेंत और प्लास्टिक की सफाई और देखभाल

काँच खिड़कियों, टेबल के टॉप, पार्टिशन और स्लाइडिंग दरवाजों में लगाये जाते हैं। बेंत हल्की होती है और अधिकतर कुरसियों और मेजों में प्रयुक्त होती है। प्लास्टिक बोतलें, बाल्टी, मग, आदि में प्रयोग होता है।

तालिका 30.5 काँच, बेंत व प्लास्टिक की सफाई

सतह	रखरखाव	सावधानिधियाँ
काँच	(i) अखबार के कागज और पानी से सफाई करें। (ii) कांच चमकाने के लिये इसे सिरका मिले पानी से धोयें। (iii) चिकनाई के धब्बे हटाने के लिए अमोनिया और गर्म पानी से साफ करें। (iv) मक्खियों के निशानों को मिथाइलेटेड स्पिरिट से रगड़ें।	(i) कठोर जूने या अपधर्षक न प्रयोग करें क्योंकि ये कांच पर खरोंचे छोड़ते हैं।

सतह	रखरखाव	सावधानिधियाँ
बेंत	(i) नियमित रूप से धूल और खटमलों, मकड़ियों और कोने में छुपे कॉकरोचों के लिये सफाई करें। कोनों की सफाई के लिये ब्रश का प्रयोग करें। (ii) इसे नमक वाले पानी से धोयें (1 बड़ा चम्मच नमक 1 लीटर पानी में घोलें)। इसके बाद खुली हवा में भली भाँति सुखायें। (iii) धब्बों से बचाने के लिये बेंत के फर्नीचर को पारदर्शी वार्निश की परत चढ़ायें। इसको वैक्स पॉलिश किया जा सकता है।	(i) पानी में न भिगोयें।
प्लास्टिक	(i) जिद्दी दाग धब्बों को छुड़ाने के लिये मिट्टी के तेल का प्रयोग करें और यदि संभव हो तो इसे धूप भी दिखायें।	(i) कठोर अपर्धषक को प्रयोग न करें क्योंकि इनसे सतह पर खरोंचें पड़ जाती हैं। (ii) क्लोरीन का प्रयोग भी न करें।

क्रियाकलाप 30.2 – निम्न सतहों में से किसी भी सतह की सफाई का अभ्यास करिये–लकड़ी की कुर्सी, कांच की खिड़की, पीतल का फूलदान, प्लास्टिक की बाल्टी, चीनी मिट्टी का मग, बेंत की टोकरी, प्लास्टिक का मेजपोश, रसोईघर का स्लैब।

पाठगत प्रश्न 30.1

(1) राधा परेशान है। निम्न सतहों की सफाई (कॉलम I में) के लिये प्रयुक्त पदार्थों (कॉलम II में) का मिलान करके उसकी सहायता करिये।

कॉलम I		कॉलम II	
(a)	काँच पर चिकनाई के धब्बे	(i)	अलसी का तेल
(b)	लकड़ी पर पानी के निशान	(ii)	मिट्टी का तेल
(c)	लिनोलियम	(iii)	सोडा और उबलता पानी
(d)	प्लास्टिक पर पड़े जिद्दी दाग धब्बे	(iv)	अमोनिया
(e)	चांदी पर पड़े चाय के धब्बे	(v)	क्षार/ऍल्कली
		(vi)	हल्के डिटर्जेंट

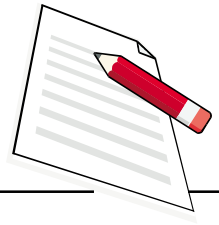

टिप्पणी

(2) शीला के घर में सफाई से संबंधित निम्न समस्या है। उसकी सफाई से संबंधित कुछ तरीके सुझाइये।

(i) दीवार पर पड़े गंदगी के धब्बे

(ii) संगमरमर की स्लैब पर हल्दी के दाग

(iii) वॉलपेपर पर पड़े चिकनाई के धब्बे

(iv) टाइल्स पर पड़े पानी के धब्बे

(v) लैमिनेटेड मेज पर ताप से पड़े धब्बे

30.7 बिजली के सामान की मरम्मत

भवन को साफ और स्वच्छ रखने के साथ आपको कुछ सामान्य उपकरणों और साज सामान के विषय में भी परिचित होना चाहिये ताकि यदि जरूरत पड़े तो उसकी मरम्मत कर सकें या मरम्मत की निगरानी भली भाँति कर सकें। इस सम्भाग में हम बिजली के कुछ उपकरणों की मरम्मत के विषय में पढ़ेंगे। आपको एक बात स्पष्ट रूप से याद रखनी होगी कि यदि कोई बिजली का उपकरण काम करना बंद कर दे, तो सबसे पहले उसकी बिजली की आपूर्ति की जाँच कर लेनी चाहिये। ऐसे उपकरणों को चलाते समय आपको सावधान भी रहना चाहिये। जब भी आप मरम्मत का प्रयास कर रहे हों, सुनिश्चित कर लें कि उपकरण का प्लग स्विच बोर्ड से निकला हुआ हो और मुख्य आपूर्ति से उपकरण का संबंध कटा हुआ हो।

महत्त्वपूर्ण चेतावनी

- हमेशा रबर की चप्पलें पहनें
- अपने हाथों को पूरी तरह सूखा रखें
- हमेशा ऊनी कम्बल या एक लकड़ी का तख्ता पास में रखें
- मुख्य आपूर्ति का प्लग हमेशा निकाल कर रखें/उपकरण को स्विच से निकाल लें

बिजली का फ्यूज

आप को बिजली के फ्यूज से अच्छी तरह परिचित होना चाहिये। फ्यूज पतले धातु के तारों से बना होता है। यह साधारणतया टिन, सीसा और जिंक का बना होता है। कई बार शार्ट सर्किट या दोषपूर्ण उपकरण के कारण यह धातु का तार गल जाता है और फ्यूज उड़ जाता है। एक बार यदि यह उड़ जाय तब आप निम्न कर सकते हैं–

(a) मुख्य स्विच बंद कर दें

(b) दोषपूर्ण उपकरण की पहचान करें, स्विच बंद करके उपकरण को हटा दें

(c) फ्यूज और कट आउट को निकाल लें और उसका निरीक्षण करें। आपको पिघले हुये तार या उसके अवशेष मिलेंगे। इस तार को निकाल लें और कट आउट/कैरियर की सफाई करें।

(d) नया तार लगायें। यदि छेद दिया गया हो तो नये तार को छेट से गुजरना चाहिये।

(e) फ्यूज कट आउट को वापस लगा दें, बॉक्स बंद करके मुख्य स्विच को ऑन करें।

तीन पिन वाला प्लग

ये प्लग अधिकांश दो आकारों में होते हैं या तो 5 या 15 एम्पियर के। कई बार उच्च विद्युत धारा के कारण प्लग पिधल सकता है और नंगे तार छूने से बिजली का झटका लग सकता है। इस प्लग में 3 तार होते हैं। एक घनात्मक के लिये, दूसरा ऋणात्मक के लिये और तीसरा न्यूट्रल के लिये। साधारणतया इन तीनों में भेद करने के लिये अलग अलग रंगों का प्रयोग किया जाता है। न्यूटल तार के लिये हरा रंग, लाल घनात्मक के लिये और पीला या अन्य कोई रंग ऋणात्मक तार के लिये प्रयुक्त होते हैं।

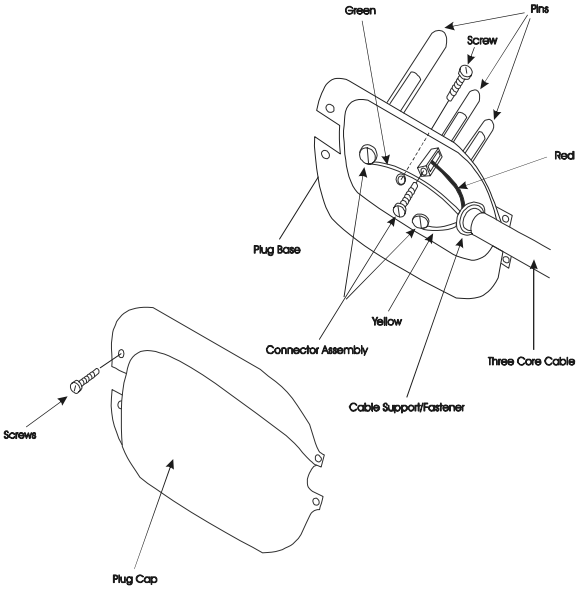

चित्र 30.1: प्लग को बदलना

3 पिन प्लग को बदलने के लिये दिये गये चरणों का अनुसरण करिये।

(a) प्लग के बीच में स्थित पेंच को ढीला कर दें।

(b) तीनों तारों पर लगे हुये पेंचों को ढीला करके उन्हें बाहर खींच लें।

(c) यदि जरूरत पड़े तो तारों की प्लास्टिक की परत को तेज चाकू या ब्लेड की सहायता से निकाल कर अंदर की तारों को खोल लें।

(d) नये प्लग को लगा लें, घनात्मक को एक पेंच में और ऋणात्मक को दूसरे समानान्तर पेंच में कस लें। पेंचों को भली प्रकार कसें। यह अवश्य जाँच लें कि ऋणात्मक व घनात्मक तार एक दूसरे को छुएं नहीं।

(e) न्यूट्रल तार को नीचे वाले पेंच में डाल कर पेंच कस दें।

(f) ढक्कन लगाकर मुख्य पेंच को भी कस दें।

पंखे

पंखा एक आम बिजली का उपकरण है। यदि पंखा काम करना बंद कर दे तो साधारणतया आप बिजली वाले को बुलाते हैं। लेकिन कुछ ऐसे बिंदु हैं जिनका अनुसरण आप स्वयं कर सकते हैं।

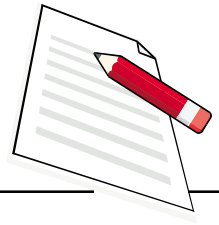

टिप्पणी

(a) नियमित रूप से पंखों में उचित रूप से तेल या ग्रीस डालें। तेल डालने के लिये पंखों में, खासकर टेबल पर रखने वाले पंखों में, छेद बने होते हैं।

(b) यदि पंखा काम करना बंद कर दे तो इसका स्विच बंद कर दें। इसके ब्लेडों को लकड़ी की सहायता से घुमाएं। पंखुड़ियाँ घूमने लगें तो स्विच ऑन कर के देखें। यदि यह गति पकड़ लेता है तब इसके कैपेसिटर को बदलने की आवश्यकता है। यदि यह गति नहीं पकड़ता तब बिजली की आपूर्ति की जाँच कर लें। और संभवतः आपको बिजली वाले को बुलाना पड़ेगा।

(c) यदि आपका पंखा आवाज करता है, तो ऐसा घिसे हुये बेयरिंग के कारण होता है। ऐसा ग्रीस की कमी के कारण भी होता है। बेयरिंग में समय समय पर तेल डालना चाहिये और उन्हें बदल देना चाहिये।

रूम कूलर

रूम कूलर में एक कैबिनेट, पानी का एक पम्प और एक निष्कासक पंखा लगा होता है। हवा पहले गीले पर्दों से गुजरती है। बाद में निष्कासक पंखा इस ठण्डी हवा को कमरे में फेंक देता है। पंखों पर ध्यान दिये जाने की जरूरत होती है जिसके विषय में आप पहले ही पढ़ चुके हैं। आइये कुछ अन्य ध्यान देने योग्य बातों के विषय में जानें–

(a) जब प्रयोग किया जा रहा हो तब लगाने से पहले और समय समय पर भी कैबिनेट को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिये। यदि लोहे का बना है तो जंग से बचाने के लिए पेन्ट करना जरूरी है।

(b) प्रत्येक बार गर्मी के मौसम में ठंडे करने वाले पैड जो घास के या खस खस के बने होते हैं, बदलने चाहिये।

(c) पंखे और पम्प में तेल या ग्रीस डालना चाहिये।

(d) पम्प में पानी के प्रवेश मार्ग को तारों की बनी फिल्टर या छन्नी से ढक दिया जाना चाहिये ताकि खस खस या घास का बुरादा इसमें प्रवेश करके पानी के पाइप को बंद न करे।

(e) हमेशा सावधानी बरतें और देखें कि पानी न्यूनतम स्तर के ऊपर ही रहे अन्यथा पम्प खराब हो जायेगा।

(f) कूलर में पानी भरते समय, यह सुनिश्चित कर लें कि बिजली की आपूर्ति बंद हो।

रूम हीटर

रूम हीटर का मुख्य भाग एलिमेंट है जो बिजली के इसमें से गुजरते समय गर्म हो जाता है। हीटिंग एलिमेंट को इसमें लगे पेंचों को निकाल देने से आसानी से बदला जा सकता है। हमेशा ध्यान रहे कि हीटर को समय–समय पर साफ करना चाहिये ताकि इसकी सतह चमचमाती रहे और इस पर गिरी हुयी धूल आसानी से दिख जाय।

3.8 नल सुधारना

आपने कुछ बिजली के दोषों के विषय में पढ़ा। आपको नलों से संबंधित भी कुछ विशेष उपयोगी चीजों के विषय में जानकारी होनी चाहिये। आइये कुछ सबसे आम दोषों के विषय में जानें।

नल

जल आपूर्ति में दो मुख्य वस्तुएँ होती हैं – पाइप लाइन और नल। यदि पाइप लाइन में खराबी है या रिस रही हो तब आप रिसने वाले स्थान पर कपड़ा बांध कर अस्थाई रूप से ही ठीक कर सकते हैं, लेकिन स्थाई रूप से ठीक करने के लिये आपको नलसाज को बुलाना पड़ेगा। टपकते हुये नलों को आप स्वयं भी ठीक कर सकते हैं। नलों में सामान्यतया एक ही दोष आता है और वह है जब नल टपकने लगता है। इसके लिये आपको निम्न प्रक्रिया करनी चाहिए।

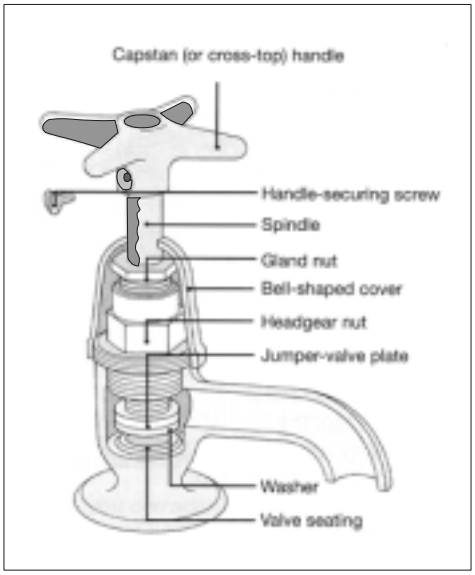

चित्र 30.2 वॉशर को बदलना

(a) सबसे पहले मुख्य आपूर्ति वाले नल को बंद करके पानी की आपूर्ति को रोक दें।

(b) हैंड व्हील/चकरी के पेंच खोल दें।

(c) एक बार टोंटी निकल जाये तो आप वॉशर हैंगर को निकाल लें। इसके लिये आपको दो रेंचों की आवश्यकता होगी – एक नल के निचले हिस्से को पकड़ने के लिये और दूसरा ऊपरी हिस्से के पेंच निकालने के लिये। निचले हिस्से में खरोंचे न पड़ें इसलिये आपको पैड वाला रेंच प्रयोग करना चाहिये।

(d) पुराने वॉशर को बदल कर नया वॉशर लगा लें और नल की टोंटी वापस लगा दें।

(e) नल बंद कर दें, टोंटी को अपने स्थान पर लगाकर उसकी चकरी को भी लगा लें।

फ्लश करने वाला सिस्टर्न

इसके रखरखाव के लिये पहले आपको इसकी कार्य शैली के विषय में जानना होगा।

जब लीवर नीचे खींचा जाता है, तब घंटी के आकार वाली इकाई उठकर पाइप में पानी को प्रवेश करने देती है। पानी के पाइप में आते ही खाली स्थान बन जाता है, जो टंकी से और अधिक पानी खींचता है और उसे नीचे फेंकता है। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक टंकी का सारा पानी समाप्त नहीं हो जाता। जैसे ही पानी का स्तर कम हो जाता है, गेंद/फ्लोट वाल्व नीचे हो जाता है और प्रवेश वाल्व को खोल देता है ताकि पानी फिर से टंकी में भरना शुरू हो जाय। जब पानी का स्तर निर्धारित स्तर तक आ जाता है तो गेंद वाल्व ऊपर हो कर प्रवेश वाल्व बन्द कर देता है। तब टंकी में पानी आना बन्द हो जाता है। अब सिस्टर्न फिर से प्रयोग के लिये तैयार हो जाता है।

इस तंत्र में कौन कौन से दोष आ सकते हैं? आइये, उनमें से कुछ दोषों को और यह भी जानें कि उन्हें किस प्रकार दूर किया जा सकता हैं।

(a) प्रवेश वाल्व के वॉशर में कुछ समस्या आ सकती है। इसे नल की ही भाँति सुधारा जा सकता है।

(b) कई बार पानी में अशुद्धता के कारण वॉल्व कस जाते हैं। ऐसी स्थिति में इसे खोलकर साफ किया जाना चाहिये।

(c) पानी की अशुद्धियां टंकी के तले में बैठ जाती हैं और बॉल को उचित रूप से बैठने में बाधा डालती हैं। इससे बचने के लिये टंकी की नियमित रूप से सफाई की जानी चाहिये।

(d) प्रवेश वॉल्व की कार्य प्रणाली, बॉल वाल्व से नियन्त्रित होती है। यदि बॉल खराब हो जाए तो यह पानी के स्तर के साथ उठ नहीं पाती। ऐसी स्थिति में आपको बॉल ही बदलनी पड़ेगी।

क्रियाकलाप 30.3

अपने घर में निम्न को बदलने का अभ्यास करें।

(1) बिजली का फ्यूज

(2) बिजली की प्रेस का तीन पिन प्लग

(3) नल का वॉशर

पाठगत प्रश्न 30.2

(1) गीता ने अपने उपकरणों में निम्न दोष पाये हैं। सही कारण ढूंढने में उसकी सहायता करिये।

(a) बिजली का फ्यूज

(b) आवाज करता हुआ पंखा

(c) पंखा बहुत धीमा चलता है

(d) टपकता नल

(e) पानी के स्तर बढ़ने के सथ सिस्टर्न का बॉल वाल्व उठता नहीं है और पानी बहने लगता है।

टिप्पणी

पाठांत प्रश्न

(1) घर पर निम्न के रखरखाव के लिये सुझाव दीजिये।

(a) कालीन (b) लकड़ी की सतह (c) पीतल

(d) कांच की खिड़कियां (e) बेंत की कुर्सी (f) कॉयर का कालीन

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

30.1 1. (a) iv (b) ii (c) vi (d) ii (e) iii

2. (i) गर्म पानी और डिटर्जेंट से ऊपर से नीचे की ओर स्पंज की सहायता से धो दीजिये साफ पानी से धो डालें।

(ii) गर्म पानी और डिटर्जेंट से धो दें। नींबू रगड़ें।

(iii) कोई भी चिकनाई अवशोषक (टैल्कम पाउडर, चोकर आदि) लगायें। कुछ समय बाद धो दें।

(iv) पानी और डिटर्जेंट। यदि जरूरत हो तो रेगमाल या हल्के एसिड से साफ करें। तुरंत धोएं।

(v) थोड़ी सी धातू की पॉलिश रगड़ें। हल्के डिटर्जेंट से धोएं।

30.2 (a) तीव्र विद्युत प्रवाह के कारण कट आउट का तार पिघल जाता है।

(b) घिसे बियरिंग

(c) कैपेसिटर को बदलने की आवश्यकता है।

(d) वॉशर को बदले जाने की आवश्यकता है।

(e) बॉल वाल्व खराब या टूटा हो सकता है।